जल संकट का हल

नीलम जैन
गाजियाबाद, (उत्तर प्रदेश)

जल के बिना क्या जी पाएंगे हम
ये सोच कर ही घबरा जाते हैं हम
तो क्यों न अभी से सचेत हो जाएं हम
आओ मिलकर इस समस्या को सुलझाएं हम
सुगमता से मिलने वाला आज ये जल
कहीं कर न दे बहुत बड़ी उलझन कल
प्रथम तो जल लेकर तुंरत बंद कर दो नल
व्यर्थ न हो बहकर निर्मल कीमती जल
छोटे–छोटे प्रयास करेंगे समस्या का हल
हो सके तो दूर रखो सदा जल शुद्धि यंत्र
सभी गुणकारी तत्व जल के हो जाते हैं नष्ट
यदि मजबूरीवश लाना हो उपयोग में यह यन्त्र
शेष बचे जल को गमलों में डालो सीखो यह मंत्र
नहीं तो सबसे उत्तम सस्ता है एक तंत्र
मृतिकाघट ले आओ और रोगों से रहो स्वतंत्र
मिट्टी है गुणकारी, करती मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली
अम्लपित्त से दूरी रखती है ये क्षारीय गुण वाली
फ्रिज का ठंडा जल देता है हमें नुकसान
गेरुआ रंग मिट्टी का घड़ा है वैध समान
मिट्टी की सौंधी–सौंधी सी खुशबु देती सकून
फिल्टर पानी आर ओ का तो बस एक जुनून
अपनी नदियों कुओं–बावड़ियों का संरक्षण करें हम
आने वाली पीढ़ी की खातिर जल संचित करें हम
बूंद–बूंद है अमृत जितनी प्यास उतना भरो गिलास
जल की यही है तुमसे आस टूटेगा उसका विश्वास
कम होता जा रहा धरती पर नित्य ही जल स्तर
सुधार सकते हो इसे छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर
आज का बचपन कल का यौवन तभी इतिहास रचेगा
नहीं तो प्रकृति के इस अनमोल खजाने को खो देगा
इस हरी–भरी वसुंधरा को जल ही जीवन देगा
जल ही जीवन देगा जल ही जीवन देगा